

महालेखापाल पुं. (तत्.) वह लेखापाल जिसकी अधीनता तथा निरीक्षण में अन्य लेखापाल विशेषतः किसी सार्वजनिक विभाग के सब लेखापाल काम करते हों।

महालोक पुं. (तत्.) ऊपर के सात लोकों में से चौथा लोक, महालोक।

महावट पुं. (तत्.) 1. बहुत बड़ा वट वृक्षा 2. पुराणानुसार एक वट वृक्ष जिसके साथ मनु ने प्रलयकाल में नौका बाँधी थी स्त्री. माघ के महीने में होने वाली वर्षा।

महावत पुं. (तत्.) हाथीवान, फीलवान।

महावर पुं. (तत्.) लाख से तैयार किया जाने वाला एक तरह का गहरा चटकीला लाल रंग जिससे स्त्रियाँ, अपने पैर चित्रित करती तथा तलुए रंगती हैं।

महावरी वि. (तत्.) महावर-संबंधी 2. महावर के रंग का स्त्री. वह छोटा फाहा जिससे पैरों में महावर लगाया जाता है।

महावस्त्र पुं. (तत्.) 1. सब कपड़ों के ऊपर अबा, कबा आदि की तरह पहना जानेवाला वह कपड़ा जो साधारण कपड़ों से अधिक चौड़ा तथा लंबा होता है और किसी बहुत बड़े अधिकार, पद आदि का सूचक होता है।

महावाक्य पुं. (तत्.) 1. बहुत बड़ा वाक्य, कोई महत्व पूर्ण वाक्य या मंत्र जैसे- सोरह, तत्त्वमसि आदि 2. दान देते समय पढ़ा जाने वाला मंत्र या संकल्प।

महावाणिज्यदूत पुं. (तत्.) किसी देश का वह वाणिज्य दूत जो किसी अन्य देश की राजधानी में रहता हो और जो उस देश में स्थित अपने यहाँ के अन्य वाणिज्य दूतों का प्रधान हो।

महावात पुं. (तत्.) बहुत जोरों से या तेज चलने वाली हवा जैसे- झंझा, तूफान, प्रवात आदि।

महावारुणी स्त्री. (तत्.) गंगा-स्नान का एक पर्व या योग जो शनिवार के दिन चैत्र कृष्ण त्रयोदशी पड़ने पर होता है।

महाविद्या स्त्री. (तत्.) 1. इन दस देवियों में से हर एक-काली, तारा, षोडशी, भुवनेश्वरी, भैरवी, छिन्नमस्ता, धूमावती, बँगलामुखी, मातंगी और कमलात्मिका 2. दुर्गा 3. गंगा।

महाविद्यालय पुं. (तत्.) वह बड़ा विद्यालय जिसमें ऊँची कक्षाओं की पढ़ाई होती है।

महाविद्येश्वरी स्त्री. (तत्.) दुर्गा की एक मूर्ति या रूप।

महाविभूति पुं. (तत्.) विष्णु।

महाविल पुं. (तत्.) 1. आकाश 2. अंतःकरण।

महावीचि पुं. (तत्.) मनु के अनुसार एक नरक का नाम।

महावीर वि. (तत्.) बहुत बड़ा वीर पुं. 1. हनुमान 2. शेर, सिंह 3. गरुड़ 4. देवता 5. वज्र 6. घोड़ा 7. बाज नामक पक्षी 8. मनु के पुत्र मरवानल का एक नाम 9. गौतम बुद्ध 10. रानी त्रिशला के गर्भ से उत्पन्न राजा सिद्धार्थ के पुत्र जो जैनियों के चौबीसवें और अंतिम जिन या तीर्थंकर माने जाते हैं।

महावीर-चक्र पुं. (तत्.) स्वतंत्र भारत में सेना के किसी वीर को रणभूमि में असामान्य वीरता दिखाने पर केंद्रीय पदक या राष्ट्रपति की ओर से दिया जानेवाला एक विशेष पदक जो परमवीर चक्र से कुछ घटकर माना जाता है।

महावीर्य पुं. (तत्.) 1. ब्रह्मा 2. एक बुद्ध का नाम 3. जैनों के एक अर्हत् 4. तामस शौच्य मन्वंतर के एक इंद्र 5. वाराही कंद।

महावीर्या स्त्री. (तत्.) 1. सूर्य की पत्नी संज्ञा का एक नाम 2. महा-शतावरी 3. बन-कपास।

महाव्याहृति स्त्री. (तत्.) ऊपर स्थित भूःभुवः और स्वः इन तीनों लोकों का समाहार।

महाव्योम पुं. (तत्.) वह सारा अनंत व्योम जिसमें सारा ब्रह्मांड स्थित है।

महाव्रण पुं. (तत्.) 1. कभी अच्छा न होने वाला व्रण 2. नासूर।